



## सविलि सेवक और डजिटिल साक्षरता

### मेन्स के लिये:

सविलि सेवकों के लिये डजिटिल साक्षरता का महत्त्व

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में माइक्रोसॉफ्ट ने भारत के सविलि सेवकों को भविष्य में सशक्त बनाने हेतु कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (MSDE) और क्षमता निर्माण आयोग (CBC) के साथ भागीदारी की है।

- 'माइक्रोसॉफ्ट डजिटिल उत्पादकता कौशल में MSDE द्वारा क्षमता निर्माण' परियोजना के तहत साझेदारी का उद्देश्य भारत सरकार (Gol) के लगभग 2.5 मिलियन सविलि सेवकों की कार्यात्मक कंप्यूटर साक्षरता को बढ़ाना है।
- यह परियोजना [मशिन कर्मयोगी](#) के अनुरूप है।

### डजिटिल साक्षरता

- डजिटिल साक्षरता का आशय उन तमाम तरह के कौशलों के एक समूह से है, जो इंटरनेट का प्रयोग करने और डजिटिल दुनिया के अनुकूल बनने के लिये आवश्यक हैं।
- चूँकि प्रिंट माध्यम का दायरा धीरे-धीरे सिकुड़ता जा रहा है और ऑनलाइन उपलब्ध जानकारी का दायरा व्यापक होता जा रहा है, इसलिये ऑनलाइन उपलब्ध जानकारी को समझने के लिये डजिटिल साक्षरता आवश्यक है।
- जनि लोगों और छात्रों में डजिटिल साक्षरता कौशल की कमी है, उन्हें जल्द ही ऑनलाइन उपलब्ध जानकारी तक पहुँच प्राप्त करने में कठिनाई हो सकती है।

### सविलि सेवकों हेतु डजिटिल साक्षरता का महत्त्व:

- कौशल और प्रभावी नागरिक केंद्रति सेवाएँ प्रदान करने के लिये:
  - डजिटिल साक्षरता समाज के कमजोर और वंचित वर्गों को **कौशल और प्रभावी नागरिक केंद्रति सेवाएँ प्रदान करने के लिये** भारत के सविलि सेवकों को सशक्त बनाएगी।
  - यह उन्हें अंतमि बढि तक **सामाजिक कल्याण संबंधी सेवाएँ प्रदान करने में सक्षम** बनाएगा।
- योग्यता अंतराल में कमी लाना:
  - पेशेवर स्तर पर माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस टूल्स, जैसे **वर्ड, एक्सेल और पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन** पर काम करते समय सविलि सेवकों के मध्य वभिन्न भूमिकाओं में पहचाने जाने वाले प्रमुख योग्यता अंतरालों में से एक **डजिटिल उत्पादकता अनुप्रयोग** कौशल की कमी है। इसलिये डजिटिल सशक्तीकरण, योग्यता अंतराल को कम करने में योगदान देगा।

### भविष्य के सविलि सेवकों हेतु आवश्यक दक्षताएँ:

- वभिन्न क्षेत्रों में एकीकृत रूपरेखा:
  - वर्तमान में **सार्वजनिक क्षेत्र, नजी क्षेत्र और नागरिक समाज में एकीकृत ढाँचे** का अभाव है।
  - जबकि सविलि सेवकों को जनि तकनीकी दक्षताओं की आवश्यकता होती है, वे नजी क्षेत्र में आवश्यक तकनीकी दक्षताओं के समान होती हैं जबकि **डजिटिल शासन क्षमताएँ पूरी तरह से भिन्न** होती हैं।
  - जनता के कल्याण हेतु **कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence-AI)** के उपयोग के क्रम में **एक साझा भाषा और समझ** की आवश्यकता है।
- डजिटिल समाधानों में वृद्धि:

- बुनियादी ढाँचे की कमी के कार सार्वजनिक सेवाओं में डजिटल समाधानों को बढ़ाने में कठनाइयों का सामना करना पड़ता है।
- कभी-कभी, नजिी क्षेत्र के समाधान सार्वजनिक क्षेत्र के लयि उपयुक्त नहीं होते हैं। इसलयिसार्वजनिक क्षेत्र के लयि प्रौद्योगिकी डज़ाइन करने की आवश्यकता है।
- सहयोग के अंतर को समाप्त करना:
  - सरकार को कभी भी एकल इकाई के रूप में नहीं देखा जाना चाहयि, बल्कएक-दूसरे के साथ संवाद करने के लयि प्रोत्साहति कयिा जाना चाहयि।
  - इसके अतरिकित मौजूदा संस्थानों को शामिल करने और उस चक्र को फरि से शुरु करने के बजाय सहयोग को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।

## स्रोत: इंडिया टुडे

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/civil-servants-and-digital-literacy>

